राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

पाठ्यक्रम-

मार्किंग स्कीम

Certificate In performing art (C.P.A.)

VOCAL/INSTRUMENTAL (NONPERCUSSION)

one year certificate course

PAPER	SUBJECT- VOCAL/INSTRUMENTAL (NONPERCUSSION)	MAX	MIN
1	**Theory** *Music -Theory*	100	33
2	**PRACTICAL-** *Demonstration &* ***viva***	100	33
	GRAND TOTAL	**200**	**66**

Diploma In performing art (D.P.A.)

VOCAL/INSTRUMENTAL (NONPERCUSSION)

One year Diploma course

PAPER	SUBJECT- VOCAL/INSTRUMENTAL (NONPERCUSSION)	MAX	MIN
1	**Theory** *Music -Theory*	100	33
2	**PRACTICAL-** *Demonstration &* ***viva***	100	33
	GRAND TOTAL	**200**	**66**

Advance Diploma In performing art (A.D.P.A.)

VOCAL/INSTRUMENTAL (NONPERCUSSION)

One year Advance Diploma course

PAPER	SUBJECT- VOCAL/INSTRUMENTAL (NONPERCUSSION)	MAX	MIN
1	**THEORY-I** **Music -Theory**	100	33
2	**Theory-II** **Applied principals of Music**	100	33
3	**PRACTICAL** – I *Rag description viva*	100	33
4	**PRACTICAL-II** **Choice Rag** **STAGE PERFORMANCE**	100	33
	GRAND TOTAL	**400**	**132**

Syllabus Designed By Dr. Sanjay Kumar Singh

H.O.D.

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

पाठ्यक्रम- सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/एडवांस डिप्लोमा कोर्स गायन एवं स्वर वाद्य

Certificate In performing art (C.P.A.)

VOCAL/INSTRUMENTAL (NONPERCUSSION)

one year certificate course

सैद्धांतिक–प्रथम प्रश्नपत्र

समय : 3 घण्टे पूर्णांकः 100

1. संगीत, नाद, लय, श्रुति, स्वर, शुद्ध, विकृत, चल, अचल, सप्तक, मंद्र, मध्य, तार, बाईस श्रुतियों में वर्तमान सप्तक की स्वर स्थापना, स्थायी, अंतरा, संचारी, आभोंग की परिभाषा।
2. ध्रुपद, धमार, ख्याल, तराना, चतुरंग, लक्षणगीत, स्वरमालिका, सरगम, भजन, मसीतखानी रजाखानी का विस्तृत परिचय।
3. गायन के परीक्षार्थियों के लिये तानपुरा अथवा हारमोनियम एवं वाद्य के परीक्षार्थियों के लिये अपने वाद्य का सामान्य परिचय तथा उनके विभिन्न अवयवों का सचित्र ज्ञान।
4. गायक अथवा वादक के गुण–दोषों का अध्ययन।
5. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों का विस्तृत शास्त्रीय परिचय। यमन, भैरव, खमाज, काफी एवं भूपाली।
6. पाठ्यक्रम के निर्धारित तालों की ठाह, दुगुन लिखने का अभ्यास– त्रिताल, एकताल, चौताल, झपताल, दादरा एवं कहरवा।
7. पं. विष्णु दिगम्बर पलुस्कर अथवा पं. विष्णु नारायण भातखण्डे का जीवन परिचय एवं संगीत के क्षेत्र में उनका योगदान।

Certificate In performing art (C.P.A.)

VOCAL/INSTRUMENTAL (NONPERCUSSION)

one year certificate course

प्रायोगिकः- प्रदर्शन एवं मौखिक

पूर्णांकः 100

1. पाठ्यक्रम के निर्धारित राग :– यमन, भैरव, खमाज, काफी एवं भूपाली।
2. कल्याण व भैरव थाटों में दस–दस अलंकारों का गायन/वादन।
3. पाठ्यक्रम के निर्धारित सभी रागों में 2 बडे ख्याल अथवा विलम्बित रचना का आलाप, तानों सहित प्रदर्शन।
4. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में स्वरमालिका (सरगम), लक्षणगीत, छोटा ख्याल अथवा द्रुत रचना का आलाप, तानों सहित प्रदर्शन।
5. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से एक ध्रुपद (दुगुन सहित), एक तराना अथवा भजन की प्रस्तुति। वाद्य के विद्यार्थियों के लिये द्रुत रचना का प्रदर्शन।
6. त्रिताल, एकताल, चौताल, झपताल, दादरा, कहरवा तालों का हाथ से ताली देकर प्रदर्शन व दुगुन का अभ्यास।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 1 से 3 – पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2. संगीत प्रवीण दर्शिका – श्री एल. एन. गुणे
3. राग परिचय भाग 1 से 2 – श्री हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव
4. संगीत विशारद – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
5. प्रभाकर प्रश्नोत्तरी – श्री हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव
6. संगीत शास्त्र – श्री एम. बी. मराठे
7. अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5 – श्री रामाश्रय झा

Diploma In performing art (D.P.A.)

VOCAL/INSTRUMENTAL (NONPERCUSSION)

One year Diploma course

सैद्धांतिक–प्रथम प्रष्नपत्र

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

1. पूर्वराग, उत्तरराग, संधिप्रकाशराग, परमेलप्रवेशक रागों की संक्षिप्त जानकारी।
2. भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति की विस्तृत जानकारी।
3. राग विस्तार में वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी, अल्पत्व, बहुत्व एवं न्यास स्वरों का महत्व।
4. तान एवं तोड़ा की परिभाषा, तान एवं तोड़ा में अन्तर, तानों के प्रकार।
5. मीड़, सूत, घसीट, खटका, मुर्की, जमजमा, कृंतन, गमक आदि की सामान्य जानकारी।
6. जीवन परिचयः– अमीर खुसरो, स्वामी हरिदास, तानसेन एवं राजा मानसिंह तोमर का जीवन परिचय एवं सांगितिक योगदान।
7. निम्न तालों को तालिपि में दुगुन–चौगुन सहित लेखनः–

   त्रिताल, एकताल, झपताल, रूपक, तीव्रा, तिलवाड़ा, दीपचन्दी, झूमरा तथा चौताल।
8. निम्नलिखित रागों का शास्त्रीय परिचयः–
   बिहाग, भीमपलासी, भैरवी, केदार, रामकली, मालकौंस, शुद्धकल्याण।

प्रायोगिकः- प्रदर्शन एवं मौखिक

पूर्णांक : 100

1. पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति एवं पाठ्यक्रम के रागः–बिहाग, भीमपलासी, भैरवी, केदार, रामकली, मालकौंस, शुद्धकल्याण।

   (अ) पाठ्यक्रम के रागों में स्वरमालिका एवं लक्षणगीत का गायन (गायन के परीक्षार्थियों के लिये)।

   (ब) पाठ्यक्रम के किन्ही चार रागों में विलम्बित रचना (ख्याल) अथवा मसीतखानी गत का आलाप तानों सहित प्रदर्शन।

   (स) पाठ्यक्रम के प्रत्येक राग में मध्यलय रचना (ख्याल) या राजखानी गत का आलाप तानों सहित प्रदर्शन।

   (द) पाठ्यक्रम के किसी एक राग में ध्रुपद अथवा धमार, (दुगुन–चौगुन सहित) दो तराना एक भजन अथवा अपने वाद्य पर तीन ताल से पृथक अन्य ताल में एक मध्यलय रचना का तानों सहित प्रदर्शन।
2. पाठ्यक्रम के तालों को हाथ से ताली देकर ठाह, दुगुन–चौगुन सहित प्रदर्शन।

संदर्भ ग्रंथ

1	हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 1 से 6	–	पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2	संगीत प्रवीण दर्शिका	–	श्री एल. एन. गुणे
3	राग परिचय भाग 1 से 3	–	श्री हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव
4	संगीत विशारद	–	श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
5	प्रभाकर प्रश्नोत्तरी	–	श्री हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव
6	संगीत शास्त्र	–	श्री एम. बी. मराठे
7	अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5	–	श्री रामाश्रय झा

Advance Diploma In performing art (A.D.P.A.)

VOCAL/INSTRUMENTAL (NONPERCUSSION)

One year Advance Diploma course

सैद्धांतिक प्रथम प्रश्न पत्र

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

1. ध्वनि (सांगीतिक ध्वनि और शोर), नाद और उसके प्रकार, नाद की तीव्रता, तारता। सेमीटोन माईनर टोन, मेजर टोन का परिचय।
2. हिन्दुस्तानी और कर्नाटक स्वर सप्तकों का अध्ययन। ग्रह आदि दस राग लक्षणों का परिचय।
3. गांधर्व गान एवं मार्ग–देशी का सामान्य परिचय। निबद्ध एवं अनिबद्ध गान की सामान्य जानकारी।
4. थाट, राग वर्गीकरण का सामान्य परिचय। शुद्ध, छायालग एवं संकीर्ण रागों का अध्ययन।
5. गणितानुसार हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति के 32 और कनार्टक संगीत पद्धति के 72 मेलों की निर्माण विधि। स्वरों की संख्या के आधार पर एक थाट से 484 राग बनाने की विधि।
6. ग्राम और मूर्च्छना के लक्षण एवं भेदों की सामान्य जानकारी।

Advance Diploma In performing art (A.D.P.A.)

VOCAL/INSTRUMENTAL (NONPERCUSSION)

One year Advance Diploma course

सैद्धांतिक द्वितीय प्रश्न पत्र

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

1. पाठ्यक्रम के निम्नलिखित रागों का शास्त्रीय परिचय एवं पिछले पाठ्यक्रम के रागों के साथ तुलनात्मक अध्ययन :– राग – छायानट, जयजयवंती, बसंत, कामोद, शंकरा, देशकार, बहार, कालिंगडा, सोहनी।
2. निम्नलिखित अ एवं ब को भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति में लिखने का अभ्यास।
   (अ) पाठ्यक्रम के किन्हीं 5 रागों में विलंबित रचना (बडा ख्याल), मसीतखानी गत को आलाप तानों सहित लिखने का अभ्यास। किसी ध्रुपद अथवा धमार को दुगुन, चौगुन सहित लिखनाअथवा किसी तराने को लिखने का अभ्यास।
   (ब) पाठ्यक्रम के रागों में से मध्यलय रचना (छोटा ख्याल), रजाखानी गत को स्वर ताललिपि में लिखने का अभ्यास। (आलाप, तानों सहित।)
   किसी भजन अथवा धुन को ताल स्वरलिपि को लिखना।
3. आड, कुआड, बिआड, की परिभाषा एवं अर्थ। तीनताल, दादरा, कहरवा, झपताल, एकताल के ठेकों को आड, कुआड, बिआड की लयकारी में लिखने का अभ्यास।
4. संगीत से संबंधित विविध विषयों पर लगभग 400 शब्दों में निबंध लेखन।
5. जीवन परिचय एवं सांगीतिक योगदान :–सदारंग–अदारंग, बाब उस्ताद अलाउद्दीन खॉ, पं. राजा भैया पूछवाले, पं. ओमकारनाथ ठाकुर, पं. रविशंकर, उस्ताद बिस्मिल्लाह खॉ, डॉ. एन. राजम।

Advance Diploma In performing art (A.D.P.A.)

VOCAL/INSTRUMENTAL (NONPERCUSSION)

One year Advance Diploma course

प्रायोगिक :- 1 प्रदर्शन एवं मौखिक

पूर्णांक : 100

1. पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति एवं पाठ्यक्रम के राग : छायानट, जयजयवंती, बसंत, कामोद, शंकरा, देशकार, बहार, कालिंगडा एवं सोहनी।
2. पाठ्यक्रम के रागों में स्वरमालिका एवं लक्षण गीत का गायन। (गायन के परीक्षार्थियों के लिये।)
3. पाठ्यक्रम के किन्हीं 5 रागों में विलंबित रचना (बडा ख्याल), विलंबित गत (मसीतखानी) का आलाप तानों सहित प्रदर्शन।
4. पाठ्यक्रम के 7 रागों में मध्यलय रचना (छोटा ख्याल), मध्य लय गत (रजाखानी) का तानों सहित प्रदर्शन।
5. पाठ्यक्रम के किसी एक राग में ध्रुपद अथवा धमार (दुगुन, तिगुन, चौगुन सहित प्रदर्शन।) दो तराने एवं एक भजन की प्रस्तुति। (गायन के परीक्षार्थियों के लिये।)

   अपने वाद्य पर तीनताल के अतिरिक्त अन्य किसी ताल में दो गतों का प्रदर्शन तानों सहित। किसी धुन का प्रदर्शन (वाद्य के परीक्षार्थियों के लिये)।
6. पाठ्यक्रम के तालों का हाथ से ताली देकर ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन सहित प्रदर्शन।

Advance Diploma In performing art (A.D.P.A.)

VOCAL/INSTRUMENTAL (NONPERCUSSION)

One year Advance Diploma course

प्रायोगिक :- 2 मंच प्रदर्शन

पूर्णांक : 100

1. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से किसी एक राग का प्रदर्शन।
2. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से परीक्षक द्वारा पूछे गये किसी एक राग की प्रस्तुति।
3. ठुमरी, टप्पा, त्रिवट अथवा भजन की प्रस्तुति।

   किसी धुन अथवा त्रिताल के अतिरिक्त अन्य किसी ताल में द्रुत गत का प्रदर्शन। (वाद्य के परीक्षार्थियों के लिये।)

:संदर्भ ग्रंथः

1. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2 से 6 – पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2. संगीत प्रवीण दर्शिका – श्री एल. एन. गुणे
3. संगीत शास्त्र दर्पण – श्री शांति गोवर्धन
4. संगीत विशारद – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
5. सितार मलिका –
6. अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5 – श्री रामाश्रय झा
7. संगीत बोध – श्री शरदचन्द्र परांजपे
8. संगीत वाद्य – श्री लालमणि मिश्र
9 .हमारे संगीत रत्न – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग